

संस्कृत/Sanskrit	वेदविभूषण प्रथमवर्ष/First Year	SET-D
------------------	--------------------------------	-------

प्रश्न पत्र संख्या / Que. Paper No. : VI/19-20/Sanskrit/

प्रतिष्ठान द्वारा भरा जाएगा / To be filled in by Pratishtan

अंकों का विवरण / Details of Marks			परीक्षक के हस्ताक्षर Sign. of examiner
विषय / Subject	पूर्णांक / Max. Marks	प्राप्तांक / Marks obtained	
संस्कृत / Sanskrit	100		

वस्तुनिष्ठा: प्रश्नाः —

5 × 1 = 5

प्र.1. 'मीमांसापरिभाषा' कस्य रचना अस्ति ?

(क) महर्षिपाणिनेः

(ख) महर्षिपतञ्जलेः

(ग) महर्षिकात्यायनस्य

(घ) श्री श्रीकृष्णायज्वनः

प्र.2. मनुस्मृतेः प्रतिपाद्यविषयो वर्तते ।

(क) व्याकरणशास्त्रस्य

(ख) अलङ्कारशास्त्रस्य

(ग) धर्मशास्त्रस्य

(घ) योगशास्त्रस्य

प्र.3. मनुस्मृतौ अध्यायसङ्ख्या विद्यते ।

(क) एकादश;

(ख) द्वादश;

(ग) त्रयोदश;

(घ) चतुर्दश;

प्र.4. श्रीमद्भगवद्गीतायाः श्रोता कः ?

(क) अर्जुनः

(ख) भीमः

(ग) नकुलः

(घ) सहदेवः

प्र.5. श्रीमद्भगवद्गीतायाः उपदेशः अभवत् ।

(क) पुष्करक्षेत्रे

(ख) सूकरक्षेत्रे

(ग) कुरुक्षेत्रे

(घ) गयाक्षेत्रे

बहुविकल्पीयाः प्रश्नाः —

5 × 2 = 10

प्र.6. काम्यकर्म कतिविधम् ?

(क) द्विविधम्

(ख) त्रिविधम्

(ग) चतुर्विधम्

(घ) पञ्चविधम्

प्र.7. ब्राह्मणग्रन्थस्य वाक्यभेदाः भवन्ति ।

(क) द्वि

(ख) त्रि

(ग) चतुः

(घ) पञ्च

संस्कृत/Sanskrit	वेदविभूषण प्रथमवर्ष/First Year	SET-D
------------------	--------------------------------	-------

प्र.8. पूर्वासन्ध्या पापं व्यपोहति ।

- |                    |                      |                   |                      |
|--------------------|----------------------|-------------------|----------------------|
| (क) रात्रिकृतम्    | <input type="text"/> | (ख) उषःकालकृतम्   | <input type="text"/> |
| (ग) पूर्वाह्नकृतम् | <input type="text"/> | (घ) मध्याह्नकृतम् | <input type="text"/> |

प्र.9. क्रोधः समुत्पन्नो भवति ।

- |                 |                      |              |                      |
|-----------------|----------------------|--------------|----------------------|
| (क) रागात्      | <input type="text"/> | (ख) द्वेषात् | <input type="text"/> |
| (ग) अभिनिवेशात् | <input type="text"/> | (घ) कामात्   | <input type="text"/> |

प्र.10. फलहेतवः के कथ्यन्ते ?

- |             |                      |              |                      |
|-------------|----------------------|--------------|----------------------|
| (क) उदाराः  | <input type="text"/> | (ख) कृपणाः   | <input type="text"/> |
| (ग) सहृदयाः | <input type="text"/> | (घ) उदासीनाः | <input type="text"/> |

शुद्धं अशुद्धं वा लिखत —

5 × 2 = 10

प्र.11. द्रव्यदेवताविधायकं वाक्यं गुणवाक्यम् ।

प्र.12. 'अग्निहोत्रं जुहुयात् नरककामः' इति ।

प्र.13. एकादशं मनो ज्ञेयं स्वगुणेनोभयात्मकम् ।

प्र.14. साऽग्नित्रेता लघीयसी ।

प्र.15. इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः ।

समुचितं शब्दमेलनं कुरुत —

5 × 2 = 10

प्र.16. मीमांसापरिभाषा

भगवान् मनुः

प्र.17. स्थानं नाम

ब्रह्मसत्रम्

प्र.18. मनुस्मृतिः

श्रीकृष्णयजुः

प्र.19. वेदस्वाध्यायः

श्रीवरदराजाचार्यः

प्र.20. लघुसिद्धान्तकौमुदी

सन्निधिः

रिक्तस्थानानां पूर्तिः विधेया —

10 × 2 = 20

प्र.21. देवतोद्देशेन ..... त्वाङ्गीकारात् ।

प्र.22. .... किञ्चिददृष्टं जन्यते ।

प्र.23. तद्द्वारा द्वयोः समुदाययोः ..... ।

प्र.24. पूर्वा सन्ध्यां ..... व्यपोहति ।

प्र.25. सम्भावयति चाऽन्नेन ..... ।

प्र.26. वर्जयेत् ..... माल्यं रसान् स्त्रियः ।

	2	वर्ष/Year - 2019-20
--	---	---------------------

संस्कृत/Sanskrit	वेदविभूषण प्रथमवर्ष/First Year	SET-D
------------------	--------------------------------	-------

प्र.27. प्रतिवातेऽनुवाते च ..... सह ।

प्र.28. .... विद्वांसमपि कर्षति ।

प्र.29. देहिनोऽस्मिन् यथा ..... जरा ।

प्र.30. यस्यां ..... पश्यतो मुनेः ।

अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः —

5 × 2 = 10

प्र.31. मीमांसापरिभाषानुसारं धर्मलक्षणं लिखत ।

---



---

प्र.32. फलवाक्यनिरूपणं कुरुत ।

---



---

प्र.33. कीदृशः शिष्योऽध्याप्यः ? इति स्पष्टयत ।

---



---

प्र.34. केभ्यः केभ्यः पन्था प्रदेयः ? सुष्ठुतया लिखत ।

---



---

प्र.35. भगवद्गीतायाः द्वितीयाऽध्यायस्य नामोल्लेखः कार्यः ।

---



---

लघूत्तरीयाः प्रश्नाः —

5 × 3 = 15

प्र.36. 'मीमांसापरिभाषा' ग्रन्थस्य परिचयो लेख्यः ।

---



---

संस्कृत/Sanskrit	वेदविभूषण प्रथमवर्ष/First Year	SET-D
------------------	--------------------------------	-------

प्र.37. ब्रह्मचारिणः कर्तव्यकर्माणि लिखत ।

---



---

प्र.38. 'मनुस्मृत्य'नुसारम् आचार्यलक्षणं परिभाषयत ।

---



---

प्र.39. वेदपाठसमये सावधानतया करणीयकर्माणि विवेचयत ।

---



---

प्र.40. वेदशाखास्वाध्यायस्य माहात्म्यं वर्णयत ।

---



---

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः —

10 × 2 = 20

प्र.41. मनुस्मृतेर्द्वितीयाध्यायस्य ज्ञानस्योपयोगित्वं प्रकाशयत ।

अथवा

'मीमांसापरिभाषा' पाठ्यग्रन्थस्य वैशिष्ट्यं निरूपयत ।

---



---



---



---



---

प्र.42. 'श्रीमद्भगवद्गीता' मानवजीवनयापनस्य कलां शिक्षयतीति सविस्तरं प्रतिपादयत ।

अथवा

साङ्ख्ययोगस्य महत्त्वं सरलसंस्कृतगिरा समुद्घाटयत ।

---



---



---



---



---

	4	वर्ष/Year - 2019-20
--	---	---------------------